भारत सरकार

आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 2077

12 फरवरी, 2026 को उत्तर दिये जाने के लिए

पीएम ई-बस सेवा योजना

2077. श्री दिलेश्वर कामैतः

श्रीमती पूनमबेन माडमः

श्री पी. सी. मोहनः

श्री विश्वेश्वर हेगड़े कागेरीः

डॉ. मन्ना लाल रावतः

श्री दुलू महतोः

श्री दामोदर अग्रवालः

श्री रमेश अवस्थीः

श्री चन्द्र प्रकाश जोशीः

श्री अनुराग शर्माः

श्री सागर ईश्वर खंड्रेः

श्री रवीन्द्र शुक्ला उर्फ रवि किशनः

श्री कृष्ण प्रसाद टेन्नेटीः

क्या **आवासन और शहरी कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) पीएम ई-बस सेवा मॉडल/योजना किस प्रकार टियर-2 और टियर-3 शहरों में शहरी परिवहन को सुदृढ़ कर रही है;

(ख) दिसंबर 2025 तक इस योजना के अंतर्गत कितनी राशि स्वीकृत एवं व्यय की गई है;

(ग) पीएम ई-बस सेवा योजना के अंतर्गत वर्ष 2025 में स्वीकृत 3,622 ई-बसों सहित अर्बन मोबिलिटी इंडिया 2025 में लोगो के लॉन्च के बाद 44 शहरों में 52 सिविल डिपो और 40 बस टर्मिनल प्रबंधन पावर साइटों के निर्माण की स्थिति और कर्नाटक में बेंगलुरु मेट्रोपोलिटन ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन (बीएमटीसी) सहित शहर-वार आवंटन का ब्यौरा क्या है;

(घ) अब तक बीएमटीसी के अंतर्गत शामिल बसों सहित कितनी ई-बसों का परिचालन शुरू हो गया है और इसका यात्रियों की संख्या, डीज़ल खपत में कमी और शहरी परिवहन से होने वाले कार्बन उत्सर्जन को घटाने पर क्या प्रभाव पड़ा है;

(ङ) बस संचालन, डिपो निर्माण, चार्जिंग अवसंरचना और सहायक सेवाओं के माध्यम से कितने रोजगार के अवसर सृजित हुए हैं;

(च) बेंगलुरु और कर्नाटक के अन्य शहरों में और उत्तर प्रदेश के कम सेवा वाले क्षेत्रों जैसे झांसी और ललितपुर में सतत और समावेशी शहरी गतिशीलता को तेज करने के लिए इलेक्ट्रिक फ्लीट के प्रस्तावित विस्तार सहित पूरे देश में ई-बसों के परिचालन हेतु भविष्य के निविदा संबंधी लक्ष्य और समय-सीमा क्या हैं; और

(छ) पीएम ई-बस सेवा योजना की वर्तमान स्थिति क्या है और इस योजना के प्रारंभ से अब तक स्वीकृत और तैनात कुल इलेक्ट्रिक बसों की वर्ष-वार और कर्नाटक में, विशेषरूप से बीदर सहित राज्य-वार संख्या कितनी है?

उत्तर
आवासन और शहरी कार्य राज्य मंत्री
(श्री तोखन साहू)

(क): पीएम-ई-बस सेवा योजना का उद्देश्य 100 से अधिक शहरों में 10,000 वातानुकूलित इलेक्ट्रिक बसें चलाकर शहरी गतिशीलता को सशक्त करना है। इस योजना में 3 से 40 लाख की आबादी वाले शहरों के साथ-साथ 3 लाख से कम आबादी वाले पूर्वोत्तर और पहाड़ी क्षेत्रों की राज्य की राजधानियों और राजधानी शहरों को शामिल किया गया है, जिससे छोटे शहरों और बिना संगठित बस सेवाओं वाले यात्रियों को बड़ा लाभ मिलता है। इस योजना में डिपो अवसंरचना के विकास/उन्नयन और सिटी बस संचालन के लिए अपेक्षित बिहाइंड द मीटर (बीटीएम) विद्युत अवसंरचना के निर्माण के लिए वित्तीय सहायता भी प्रदान की जाती है।

(ख): संबद्ध अवसंरचना के विकास के लिए कुल 1254.38 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं और दिसंबर, 2025 तक 450.89 करोड़ रुपये जारी किए जा चुके हैं।

(ग): कैलेंडर वर्ष 2025 में कर्नाटक के लिए स्वीकृत 750 ई-बसों सहित 3622 ई-बसों का विवरण अनुलग्नक-I में दिया गया है। सिविल और विद्युत अवसंरचना का निर्माण परिवर्तनशील प्रकृति का है और प्रगति एक शहर से दूसरे शहर में लगातार बदलती रहती है। हर शहर

अवसंरचना परियोजनाओं के निष्पादन और निगरानी के लिए स्वयं जिम्मेदार है। अब तक, 104 सिविल अवसंरचना परियोजनाओं और 98 विद्युत अवसंरचना परियोजनाओं को स्वीकृति दी गई है और ये कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं।

मौजूदा दिशा-निर्देशों के अनुसार, बंगलौर इस योजना के अंतर्गत भाग लेने के लिए पात्र नहीं है।

(घ): कर्नाटक राज्य सरकार ने सूचित किया है कि बेंगलुरु मेट्रोपॉलिटन ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन (बीएमटीसी) के तहत 1702 ई-बसें और कर्नाटक राज्य सड़क परिवहन निगम (केएसआरटीसी) के तहत 50 ई-बसें चल रही हैं।

इसके अलावा, इस स्तर पर पीएम-ई-बस सेवा योजना के तहत कोई ई-बस संचालित नहीं है।

(ड.): इस मंत्रालय की आंकड़ा प्रबंधन प्रणाली रोजगार सृजन के आंकडे नहीं रखती है, क्योंकि बसों और डिपो निर्माण संबंधी परियोजनाओं का संचालन संबंधित शहरों द्वारा कार्यान्वित किया जाता है। तथापि, योजना की अवधि के दौरान रोजगार सृजन की संभावना 45000 से 55000 प्रत्यक्ष नौकरियों की सीमा में होने का अनुमान है।

बुंदेलखंड क्षेत्र सहित उत्तर प्रदेश राज्य ने इस योजना के अंतर्गत भाग नहीं लिया है।

(च): कर्नाटक राज्य के पात्र शहरों सहित भावी निविदा विभिन्न कार्यकलापों को पूरा करने पर निर्भर करती है - जैसे कि मांग का राज्य-वार एकत्रीकरण, डिपो स्थान को अंतिम रूप देना, राज्य स्तरीय संचालन समिति और केन्द्रीय स्वीकृति संचालन समिति द्वारा परियोजना की स्वीकृति। तथापि, निविदा-1 और निविदा 2 में बसें चलाने की समय-सीमा अनुलग्नक-II में दिया गया है।

चूंकि उत्तर प्रदेश राज्य ने इसमें भाग नहीं लिया है और बंगलौर एक पात्र शहर नहीं है, इसलिए बंगलौर, झांसी और ललितपुर में ई-बसें चलाने का प्रश्न नहीं उठता।

(छ): स्वीकृत इलेक्ट्रिक बसों की संख्या का ब्यौरा अनुलग्नक-III में दिया गया है।

******

कैलेंडर वर्ष 2025 में स्वीकृत 3622 ई-बसों का विवरण

राज्य	शहर	स्वीकृत बसें
आंध्र प्रदेश	अमरावती	50
	अनंतपुर	50
	कडप्पा	50
	काकीनाडा	50
	कुरनूल	50
	राजमुंदरी	50
	तिरुपति	50
	नेल्लोर	100
	गुंटूर	100
	विजयवाड़ा	100
	विशाखापत्तनम	100
कर्नाटक	विजयपुरा	50
	दावणगेरे	50
	हुबली-धारवाड़	100
	कलबुर्गी	100
	मंगलुरु	100
	मैसूर	100
	शिवमोग्गा	50
	बेलगावी	100
	बेल्लारी	50
	तुमकुरु	50
मध्य प्रदेश	ग्वालियर	30
गुजरात	जूनागढ़	25
राजस्थान	बीकानेर	50
	सीकर	50
	जयपुर	300
	अलवर	50
	जोधपुर	25
तेलंगाना	वारंगल	100
	निजामाबाद	51
पंजाब	एसएएस नगर क्लस्टर	100
गुजरात	गांधीधाम	80
	नवसारी	50
	वडोदरा	150
	गांधीनगर	50

मेघालय	शिलांग	5
मध्य प्रदेश	इंदौर	120
	भोपाल	95
	जबलपुर	100
	सतना	20
	देवास	55
आंध्र प्रदेश	तिरुपति	300
चंडीगढ़	चंडीगढ़	328
उत्तराखंड	हरिद्वार	-12
	कुल योग	3622

पीएम-ई-बस सेवा योजना के तहत ई-बसों की खरीद की समय-सीमा:

9 मीटर और 12 मीटर स्टैंडर्ड फ्लोर/लो फ्लोर एसी के लिए:

क्रम संख्या	विवरण	समय-सीमा	
		निविदा-1	निविदा-2
1.	रियायत समझौते पर हस्ताक्षर करने की तारीख से 40 प्रतिशत ई-बसों की डिलीवरी	18 सप्ताह	22 सप्ताह
2.	रियायत समझौते पर हस्ताक्षर करने की तारीख से शेष 35 प्रतिशत ई-बसों की डिलीवरी	30 सप्ताह	34 सप्ताह
3.	रियायत समझौते पर हस्ताक्षर करने की तारीख से शेष 25 प्रतिशत ई-बसों की डिलीवरी	42 सप्ताह	46 सप्ताह

नोट: ऊपर उल्लिखित समय-सीमा सार्वजनिक परिवहन प्राधिकरण (पीटीए) द्वारा डिपो के हस्तांतरण और पूर्ववर्ती शर्तों को पूरा करने के अधीन है।

7 मीटर स्टैंडर्ड फ्लोर एसी के लिए:

क्र.सं.	विवरण	समय-सीमा	
		निविदा 1	निविदा 2
1.	रियायत समझौते पर हस्ताक्षर करने की तारीख से 40 प्रतिशत ई-बसों की डिलीवरी	32 सप्ताह	36 सप्ताह
2.	रियायत समझौते पर हस्ताक्षर करने की तारीख से शेष 35 प्रतिशत ई-बसों की डिलीवरी	44 सप्ताह	48 सप्ताह
3.	रियायत समझौते पर हस्ताक्षर करने की तारीख से शेष 25 प्रतिशत ई-बसों की डिलीवरी	56 सप्ताह	60 सप्ताह

नोट: ऊपर उल्लिखित समय-सीमा सार्वजनिक परिवहन प्राधिकरण (पीटीए) द्वारा डिपो के हस्तांतरण और पूर्ववर्ती शर्तों को पूरा करने के अधीन है।

योजना के तहत ई-बसों का राज्य-शहर-वर्षवार विवरण

पीएम-ई-बस सेवा योजना के तहत स्वीकृत बसें 09.02.2026 तक					
राज्य/संघ राज्य क्षेत्र /शहर		स्वीकृत बसें (शहर-वार और वर्ष-वार)			
राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	शहर	2023-24	2024-25	2025-26	कुल
आंध्र प्रदेश	अमरावती	-	50	-	50
	अनंतपुर	-	50	-	50
	गुंटूर	-	100	-	100
	कडप्पा	-	50	-	50
	काकीनाडा	-	50	-	50
	कुरनूल	-	50	-	50
	नेल्लोर	-	100	-	100
	राजमुंदरी	-	50	-	50
	तिरुपति	-	50	300	350
	विजयवाड़ा	-	100	-	100
	विशाखापत्तनम	-	100	-	100
अरुणाचल	ईटानगर	-	-	50	50
असम	गुवाहाटी	100	-	-	100
बिहार	भागलपुर	50	-	-	50
	दरभंगा	50	-	-	50
	गया	50	-	-	50
	मुजफ्फरपुर	50	-	-	50
	पटना	150	-	-	150
	पूर्णिया	50	-	-	50
चंडीगढ़	चंडीगढ़	100	-	328	428
छत्तीसगढ़	दुर्ग-भिलाई	50	-	-	50
	बिलासपुर	50	-	-	50
	कोरबा	40	-	-	40
	रायपुर	100	-	-	100
दादरा और नगर हवेली	दमन	-	-	50	50
गोवा	पणजी	-	-	50	50
गुजरात	भावनगर	100	-	-	100
	गांधीधाम	-	-	80	80
	गांधीनगर	50	-	50	100
	जामनगर	50	-	-	50

	जूनागढ़	25	25	-	50
	नवसारी	-	-	50	50
	राजकोट	100	-	-	100
	वडोदरा	100	-	150	250
हरियाणा	फरीदाबाद	100	-	-	100
	गुरुग्राम	100	-	-	100
	हिसार	50	-	-	50
	करनाल	50	-	-	50
	पानीपत	50	-	-	50
	रोहतक	50	-	-	50
	यमुना नगर	50	-	-	50
जम्मू और कश्मीर	जम्मू	100	-	-	100
	श्रीनगर	100	-	-	100
कर्नाटक	बेलगावी	-	100	-	100
	बेल्लारी	-	50	-	50
	दावणगेरे	-	50	-	50
	हुबली-धारवाड़	-	100	-	100
	कलबुर्गी	-	100	-	100
	मंगलुरु	-	100	-	100
	मैसूर	-	100	-	100
	शिवमोग्गा	-	50	-	50
	तुमकुरु	-	50	-	50
	विजयपुरा	-	50	-	50
लद्दाख	लेह	20	-5	33	48
मध्य प्रदेश	भोपाल	100	-	95	195
	देवास	-	-	55	55
	ग्वालियर	70	30	-	100
	इंदौर	150	-	120	270
	जबलपुर	100	-	100	200
	सागर	32	-	-	32
	सतना	-	-	20	20
	उज्जैन	100	-	-	100

महाराष्ट्र	अहमदनगर	40	-	-	40
	अकोला	50	-	-	50
	अमरावती	50	-	-	50
	भिवंडी	100	-	-	100
	चंद्रपुर	50	-	-	50
	छत्रपति संभाजी नगर	100	-	-	100
	धुले	38	-10	-	28
	इचलकरंजी	25	-	-	25
	जलगांव	50	-	-	50
	कल्याण डोंबिवली	100	-	-	100
	कोल्हापुर	100	-	-	100
	लातूर	50	-	-	50
	मालेगांव	-	26	-	26
	मीरा भायंदर	100	-	-	100
	नागपुर	150	-	-	150
	नासिक	50	-	50	100
	परभणी	-	40	-	40
	सांगली	50	-	-	50
	सोलापुर	100	-	-	100
	ठाणे	100	-	-	100
	उल्हासनगर	100	-	-	100
	वसई फ्लिप	100	-	-	100
मणिपुर	इंफाल	-	-	50	50
मेघालय	शिलांग	50	-	5	55
ओडिशा	बेरहामपुर	50	-	-	50
	भुवनेश्वर	100	-	-	100
	कटक	100	-	-	100
	राउरकेला	100	-	-	100
	संबलपुर	50	-	-	50
पुडुचेरी	पुडुचेरी	75	-	-	75
पंजाब	अमृतसर	100	-	-	100
	जालंधर	97	-	-	97
	लुधियाना	100	-	-	100
	पटियाला	50	-	-	50
	एसएएस नगर	-	-	100	100
राजस्थान	अजमेर	50	50	-	100
	अलवर	50	-	50	100
	भीलवाड़ा	50	-	-	50
	बीकानेर	50	25	50	125

	जयपुर	150	-	300	450
	जोधपुर	50	50	25	125
	कोटा	50	50	-	100
	सीकर	-	-	50	50
	उदयपुर	50	-	-	50
तेलंगाना	निजामाबाद	-	-	51	51
	वारंगल	-	-	100	100
उत्तराखंड	देहरादून	100	-	-	100
	हरिद्वार	50	-	-13*	37
	110 शहर	5512	1781	2349	9642

*वर्ष 2025 में बसों की मांग में 12 बसें और वर्ष 2026 में 1 बस की कमी आई थी।

नोट: योजना के मौजूदा दिशा-निर्देशों के अनुसार बीदर पात्र शहरों की श्रेणी में नहीं आता है।